



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ करवा चौथ की पूजा-विधि ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ करवा चौथ की पूजा-विधि ॥

करवा चौथ की पूजा परंपरागत रूप से माता करवा, माता पार्वती, भगवान शिव, भगवान गणेश और चंद्र देव की आराधना के साथ की जाती है। नीचे सरल और कंटेंट के लिए उपयुक्त पूजा-विधि दी गई है।

प्रातःकाल की तैयारी

ब्रह्ममुहूर्त या सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें।
स्वच्छ वस्त्र पहनकर भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी का ध्यान करें।

परंपरा के अनुसार सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करें।
इसके बाद करवा चौथ व्रत का संकल्प लें।

पूजा की सामग्री

पूजा के लिए सामान्यतः:
करवा या मिट्टी का घड़ा
दीपक और रूई की बाती
रोली, अक्षत और कुमकुम
पुष्प और माला
धूप एवं दीप
मिठाई और फल
जल
छलनी
पूजा की थाली
माता पार्वती की प्रतिमा या चित्र

भगवान शिव और गणेश जी की प्रतिमा या चित्र
रखा जाता है।

संध्या पूजा की तैयारी

संध्या के समय पूजा स्थान को स्वच्छ करके चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाएँ। भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की प्रतिमा/चित्र स्थापित करें। साथ में करवा रखें।

गणेश जी और शिव-पार्वती की पूजा

सबसे पहले भगवान गणेश का पूजन करें। इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करें। रोली, अक्षत, पुष्प, धूप और दीप अर्पित करें। माता पार्वती से अखंड सौभाग्य, पति के स्वास्थ्य और सुखी दांपत्य जीवन की प्रार्थना करें।

करवा चौथ व्रत कथा

पूजा के दौरान श्रद्धापूर्वक करवा चौथ व्रत की कथा सुनें या पढ़ें। कथा के बाद माता करवा और माता पार्वती का स्मरण करते हुए अपनी मनोकामना व्यक्त करें।

करवा पूजन

करवे में जल भरकर उसे पूजा में रखें। करवे पर रोली और अक्षत लगाएँ तथा पुष्प अर्पित करें। कुछ परंपराओं में महिलाएँ करवा एक-दूसरे को देकर करवा बदलने की रस्म भी करती हैं।

चंद्रमा को अर्घ्य

रात्रि में चंद्रमा के उदय होने पर पूजा की थाली लेकर खुले स्थान पर जाएँ।

चंद्र देव को जल से अर्घ्य दें।

दीपक जलाएँ।

चंद्रमा को अक्षत और पुष्प अर्पित करें।

छलनी से चंद्रमा के दर्शन करें।

इसके बाद उसी छलनी से पति के दर्शन करने की परंपरा है।

व्रत का पारण

चंद्र दर्शन और अर्घ्य के बाद पति द्वारा पत्नी को जल पिलाकर व्रत खुलवाने की परंपरा है। इसके बाद प्रसाद और भोजन ग्रहण किया जाता है।

करवा चौथ की प्रार्थना

“हे माता पार्वती! हे भगवान शिव! मेरे पति को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख प्रदान करें। हमारे दांपत्य जीवन में प्रेम, विश्वास और सदैव सुख-शांति बनी रहे। हमारे परिवार पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें।”

नोट: करवा चौथ की रस्में और पूजा की सामग्री क्षेत्र, परिवार और परंपरा के अनुसार अलग-अलग हो सकती हैं। निर्जला व्रत रखने वालों को अपनी स्वास्थ्य-स्थिति के अनुसार सावधानी बरतनी चाहिए।